सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 204 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 3 सितम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

प्रतापगढ़ का कर्ज

विश्वास को हमेशा तर्क से तौलना चाहिए। जब विश्वास अंधा हो जाता है तो मर जाता है।

-महात्मा गांधी

नहीं उतार सकेगा... 7 | लोक सभा चुनाव: पश्चिम से पूरब... 3 | एनसीआर की तर्ज पर गठित... 2

कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने खोली कानून व्यवस्था की पोल, कहा

हिस्ट्रीशीटर को सुरक्षा दे रही पुलिस गरीबों को किया जा रहा परेशान

» हिस्ट्रीशीटर प्रधानपति से मिलीभगत कर एसडीएम ने 170 ग्रामीणों को भेजा नोटिस

» बिना जांच लिख दिया ग्राम समाज की जमीन पर कब्जे का मुकदमा

» अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की योगी सरकार की नीति को अफसर ही लगा रहे पलीता

» विपक्ष बोला, मंत्री ने दिखाया आईना, प्रदेश में है जंगलराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार की अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की खुद अफसर ही धज्जियां उड़ा रहे हैं। अफसरों की मनमानी का आलम यह है कि वे मंत्री की शिकायत पर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सीतापुर में सामने आया है। यहां कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही को हिस्ट्रीशीटर प्रधानपति के खिलाफ कार्रवाई कराने और बिना जांच ग्रामीणों को एसडीएम द्वारा जारी नोटिस को वापस कराने की मांग को लेकर अपने ही अफसरों के खिलाफ धरने पर बैठना पड़ा।

> मंत्री की शिकायत संज्ञान में आयी है। मैंने इस मामले में मंत्री से बात की है। जांच के आदेश दे दिए गए हैं।
>
> डीएम, अनुज सिंह

आंबेडकर की मूर्ति तोड़ने की शिकायत पर कप्तान ने नहीं की कार्रवाई

राज्यमंत्री सुरेश राही ने कहा कि गांव में लगी बाबा साहेब आंबेडकर की मूर्ति तोड़ दी गई। इसकी सूचना मैंने कप्तान को दी। जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की लेकिन कप्तान ने मेरी बात नहीं सुनी।

अफसरों की मनमानी पर खुद राज्यमंत्री सुरेश राही ने कहा कि पुलिस हिस्ट्रीशीटर को सुरक्षा दे रही है जबकि गरीब ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है। हालांकि मामले के तूल पकड़ने के बाद डीएम ने उनसे मुलाकात की और मामले की जांच का आश्वासन दिया। वहीं विपक्ष ने इस मामले पर सरकार के खिलाफ हमला बोलते हुए कहा कि मंत्री ने सरकार को आईना दिखाया है। प्रदेश में जंगलराज है।

सुनवाई नहीं होने पर ग्रामीणों के साथ डीएम कार्यालय के सामने बैठे धरने पर, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

प्रदेश की कानून व्यवस्था की पोल खुद कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही ने खोल दी है। बिना जांच ग्रामीणों के खिलाफ जारी नोटिस को लेकर राज्यमंत्री डीएम कार्यालय पर धरने पर बैठे। मामला उनके विधान सभा क्षेत्र हरगांव के पिपाराघुरी गांव का है। उन्होंने बताया कि गांव का प्रधानपति हिस्ट्रीशीटर है। गांव में गौशाला बनी है। प्रधानपति रात में इन गायों को गौशाला से बाहर कर देता है। इस पर जब गांव वालों ने विरोध जताया तो उनको मारा-पीटा। मामला थाने पहुंचा और मुकदमा दर्ज किया गया। प्रधानपति की ओर से क्रास केस दर्ज कराया गया। इसके बाद ग्रामीणों के खिलाफ ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर 107/116की नोटिस जारी कर दी गयी। एसडीएम की ओर से कुल 170 लोगों को नोटिस दिया गया जबकि इसमें 70 फीसदी लोग गांव में रहते ही नहीं है। वे बाहर काम कर रहे हैं। एसडीएम बताएं कि कौन ग्राम समाज की जमीन है? कौन जांच करने गया था? बिना जांच के एसडीएम ने कैसे नोटिस जारी कर दिया। यही न्याय है क्या? अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। मामले की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। नोटिस को वापस किया जाए। उन्होंने कहा कि जिसके खिलाफ मुकदमा लिखा गया है उसकी गिरफ्तारी तक नहीं की गयी उलटे उसे पुलिस ने सुरक्षा दे दी है।

अब भाजपा सरकार के मंत्री भी सपा की बात स्वीकार करने लगे हैं कि पुलिस अपराधियों को संरक्षण दे रही है। योगी सरकार को उनके मंत्री ने आईना दिखा दिया है। प्रदेश में रामराज्य नहीं बल्कि जंगलराज कायम है।

सुनील सिंह साजन, सपा नेता

यूपी की कानून व्यवस्था के लिए राज्यमंत्री का धरना और उनका बयान ही काफी है। प्रदेश में कानून का इकबाल खत्म हो चुका है। सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। पुलिस-अपराधियों के गठजोड़ के कारण आम आदमी भयभीत है।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

प्रदेश में पुलिस और प्रशासन बेलगाम हो चुके है। यहां कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। अब तो सरकार को उनके मंत्री ही कानून व्यवस्था की हकीकत बताने लगे हैं।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

हमें भाजपा के नेता नहीं, कार्यकर्ता चाहिए: केजरीवाल

» आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने गुजरात में की अपील

» विधान सभा चुनाव के मद्देनजर लगातार राज्य का दौरा कर रहे केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुजरात विधान सभा चुनाव को लेकर प्रदेश के दौरे पर हैं। अपने दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन आज केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला और कहा कि हमें भाजपा के नेता नहीं कार्यकर्ता चाहिए।

केजरीवाल ने कहा, हमें भाजपा के बड़े-बड़े नेता नहीं चाहिए। हमें भाजपा के पन्ना प्रमुख, कार्यकर्ता चाहिए। ये बड़ी संख्या में हमारे से साथ जुड़ रहे हैं। आप सभी लोग भाजपा में रहो लेकिन काम हमारे लिए करो। कई लोगों को भाजपा पेमेंट करती है, पेमेंट भी वहीं से लो लेकिन काम आम आदमी पार्टी के लिए करो। इस दौरान उन्होंने गुजरात के लोगों को मुफ्त बिजली, इलाज और शिक्षा का वादा दोहराया। केजरीवाल ने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि भुज में भाजपा की सभा में जितनी बसें गई थीं, उन बस ड्राइवरों और कन्डक्टर्स ने वापस आते समय लोगों को परिवर्तन लाने के लिए कहा है। आप तीन महीने तक यही करते रहें। हमारी सरकार बनते ही एक महीने में आप की सभी मांगें पूरी करूंगा। गुजरात का दौरा समाप्त करने से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री आज सूरत जाएंगे, जहां वह गणेश पंडाल में आरती में शामिल होंगे। इससे पहले केजरीवाल शुक्रवार को द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के मंदिर में दर्शन किया था और जनसभा को संबोधित किया था। गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल बखूबी जानते हैं कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका ग्राउंड जीरो पर माइक्रो लेवल का मैनेजमेंट है। पार्टी के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ बहुत छोटे स्तर का कार्यकर्ता भी काम करता है। इसी के तहत पन्ना प्रमुख को 30 कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी दी जाती है। उसका काम पर इन्हीं तीस वोटों पर फोकस करने का रहता है। वह फोन से, या व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात कर तीस वोटर्स को भाजपा के पक्ष में मतदान कराने की जिम्मेदारी उठाता है। जब तक ये मतदाता मतदान स्थल तक नहीं पहुंच जाते है तब तक पन्ना प्रमुख का काम नहीं खत्म होता। भाजपा की इसी ताकत में केजरीवाल सेंध लगाना चाहते हैं।

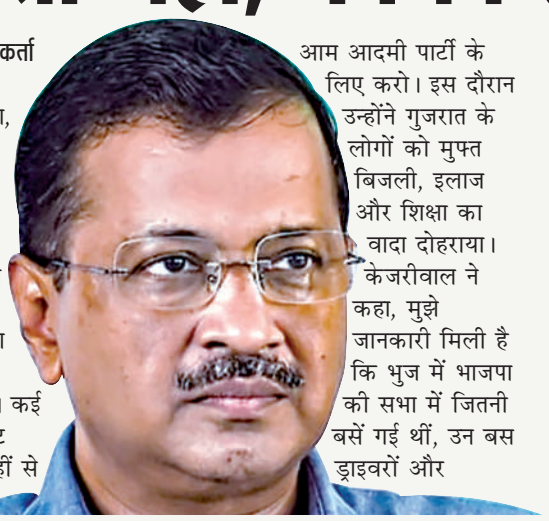

एनसीआर की तर्ज पर गठित होगा एससीआर

राजधानी लखनऊ से सटे कानपुर, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी जिले होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में तेजी से बढ़ रही शहरी आबादी को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर लखनऊ और आसपास के कई जिलों को मिलाकर उप्र राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रस्तावित एससीआर में लखनऊ के अलावा उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, कानपुर नगर और कानपुर देहात को शामिल करते हुए शीघ्र प्रस्ताव तैयार करने को कहा है।

साथ ही उन्होंने लखनऊ में मेट्रो रेल के अगला चरण शुरू करने के लिए एक सप्ताह में कार्ययोजना तैयार करने को कहा है। मुख्यमंत्री आवास विभाग के अधिकारियों के साथ वीसी के जरिए सभी विकास प्राधिकरणों के क्रियाकलापों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा जिस प्रकार से लखनऊ एक मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित हो रहा है, उसकी वजह से प्रदेश के सभी क्षेत्र के लोग यहां आकर बसना चाहते हैं। इस वजह से आसपास के जिलों में जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है। इसलिए लखनऊ के साथ ही आसपास के शहरों का भी सुनियोजित विकास के लिए एससीआर का गठन जरूरी हो गया है। उन्होंने आवास विभाग के अधिकारियों को एससीआर गठन को लेकर शीघ्र कार्ययोजना उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में मेट्रो की सेवा में यात्रियों के बढ़ते रुझान को देखते हुए दूसरे चरण की मेट्रो सेवा शुरू करने का प्रस्ताव एक सप्ताह में तैयार करने को कहा है। साथ ही उन्होंने लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर जल्द शुरू करने और नगर निगम की सीमा का विस्तार करने के भी निर्देश दिए हैं। वहीं बटलर झील और सीजी सिटी में वेटलैंड के पुनरुद्धार की कार्यवाही तेज करने को भी कहा है। इसके अलावा उन्होंने राजधानी में एक आधुनिक सुविधायुक्त कन्वेंशन सेंटर बनाने के लिए 35 एकड़ भूमि चयन करने और अवध शिल्पग्राम और काकोरी शहीद स्मृति उद्यान को डायनेमिक फसाड लाइटिंग से सजाने के भी निर्देश दिए हैं।

प्रमुख शहरों के लिए तैयार होगा सिटी डेवलपमेंट प्लॉन

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के बड़े शहरों के सुनियोजित विकास के लिए सिटी डवलपमेंट प्लॉन तैयार करने को कहा है। उन्होंने फिलहाल लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, झांसी, मथुरा, बरेली, मेरठ, आगरा, चित्रकूट, वाराणसी व प्रयागराज के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लॉन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जबकि 2021 नीति के तहत गाजियाबाद, प्रयागराज, आगरा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी एवं मेरठ के लिए शहरी लॉजिस्टक योजना शीघ्र तैयार करने को कहा है।

50 वर्षों की जरूरत के हिसाब से तैयार करें मास्टर प्लान

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तेजी से बढ़ती शहरी आबादी को देखते हुए आगामी 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार करने को कहा है। इसके लिए सभी विकास प्राधिकरणों में नगर नियोजक के रिक्त पदों को तत्काल भरने के भी निर्देश दिए हैं।

50 हजार टन राशन गरीबों को बांट नहीं पाई यूपी सरकार

» तीन बार केंद्र सरकार ने बढ़ाई तारीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत गरीबों को मिलने वाला लगभग 50000 टन राशन प्रदेश भर में लैप्स हो गया। इस गेहूं व चावल का उठान ही नहीं हो पाया। हैरत की बात यह है कि इसके लिए भारत सरकार ने तीन बार तारीखें बढ़ाईं पर प्रदेश सरकार शत प्रतिशत उठान की व्यवस्था ही नहीं कर पाई। प्रदेश में दो योजनाओं में तहत लाभार्थियों को राशन का वितरण हो रहा है। प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत पूरे प्रदेश में राशन कार्ड धारकों को निशुल्क राशन का वितरण किया जा रहा है।

15 करोड़ से ज्यादा कार्डधारकों को इसका लाभ मिल रहा है। हालांकि वितरण माहवार देरी से हो रहा है पर लगातार राशन बांटने के निर्देश दिए जा रहे हैं। बावजूद इसके जून माह के सापेक्ष बंटने वाले राशन में से 50000 टन गेहूं और चावल लोगों को बांटा ही नहीं गया। जून माह के राशन के उठान के लिए भारत सरकार ने तीन तारीखें रखीं। तीस जून, फिर 31 जुलाई और उसके बाद 15 अगस्त 2022 तक उठान की तिथि का विस्तार किया गया। बावजूद इसके कुल राशन में से सात प्रतिशत का उठान नहीं हो पाया। खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा के मुताबिक जून माह के93 प्रतिशत राशन का वितरण कर दिया गया है। गौरतलब है कि इस योजना में प्रतिमाह साढ़े सात लाख मीट्रिक टन से ज्यादा राशन का वितरण होता है। खाद्य एवं रसद आयुक्त मार्केंडेय शाही ने इस बाबत सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर चेताया भी है। उन्होंने कहा है कि तीन तारीखें तिथि विस्तार के बावजूद जून माह के राशन का भारतीय खाद्य निगम से शत प्रतिशत उठान नहीं हुआ। ऐसे में भारत सरकार ने अब तिथि विस्तार की अनुमति नहीं दी है। अगले महीनों का उठान समय से कर लिया जाए। जून माह के राशन के उठान के लिए भारत सरकार ने तीन तारीखें रखीं। तीस जून, फिर 31 जुलाई और उसके बाद 15 अगस्त 2022 तक उठान की तिथि का विस्तार किया गया। बावजूद इसके कुल राशन में से सात प्रतिशत का उठान नहीं हो पाया। खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा के मुताबिक जून माह के93 प्रतिशत राशन का वितरण कर दिया गया है। गौरतलब है कि इस योजना में प्रतिमाह साढ़े सात लाख मीट्रिक टन से ज्यादा राशन का वितरण होता है।

राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए 75 शिक्षक चयनित

» हर जिले से एक अध्यापक का शिक्षक दिवस पर सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने शनिवार को राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची जारी कर दी। राज्य शिक्षक पुरस्कार- 2021 के लिए गठित चयन समिति ने प्रत्येक जिले से एक -एक सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का चयन किया है। सरकार ने किसी भी जिले को राज्य अध्यापक पुरस्कार से वंचित नहीं रखा है। प्रदेश के सभी 75 जिलों से एक-एक अध्यापक को पांच सितंबर को राज्य अध्यापक पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ लोक भवन में दस शिक्षकों को सम्मानित करेंगे, जबकि अन्य को उनके जिलों में पुरस्कृत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के 75 शिक्षकों को शिक्षक दिवस यानी पांच सितंबर को सम्मानित किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ इन 75 में से दस को लोक भवन में होने वाले समारोह में सम्मानित करेंगे।

अगर मुलायम नहीं लड़ेंगे चुनाव तो शिवपाल ठोकेंगे मैनपुरी से दावा!

» 2019 में करीब 91 हजार वोट से मैनपुरी से चुनाव जीते थे मुलायम सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में मैनपुरी से दावेदारी कर सकते हैं। शिवपाल ने कहा कि अगर नेताजी (मुलायम सिंह यादव) मैनपुरी से अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ते हैं तो वह इस सीट से चुनाव लड़ने पर विचार करेंगे। 2019 में करीब 91 हजार वोट से मुलायम मैनपुरी से चुनाव जीते थे। उस समय सपा व बसपा एक साथ लोकसभा चुनाव लड़े थे।

2019 में शिवपाल यादव ने फिरोजाबाद लोकसभा से चुनाव लड़ा था। इस सीट पर भी यादव परिवार का मजबूत असर माना जाता है। शिवपाल यादव को करीब 84 हजार वोट मिले थे। वह चुनाव तो हार गए थे, लेकिन इसका खमियाजा सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव को हार के तौर पर भुगतना पड़ा और यह सीट भाजपा के खाते में चली गई थी। बता दें कि मैनपुरी लोकसभा में पांच विधानसभा सीटें भोगावं, किशनी, करहल, जसवंतनगर व मैनपुरी है। इनमें दो सीटें भाजपा व तीन सीटें सपा के पास हैं। करहल से सपा मुखिया अखिलेश यादव व जसवंतनगर से खुद शिवपाल यादव विधायक हैं। हालिया विधानसभा चुनाव में जसवंतनगर में शिवपाल को करीब 1.60 लाख वोट मिले थे और वह लगभग 90 हजार वोटों से चुनाव जीते थे।

सपा के साथ जाना गलती थी

शिवपाल ने कहा कि अब समाजवादी पार्टी के साथ उनका कोई रिश्ता नहीं रहेगा। 2022 में सपा के साथ जुड़ना गलती थी। कई बार धोखा खा चुके हैं, अब और नहीं। प्रसपा मुखिया ने कहा कि निकाय चुनाव में पार्टी अधिकांश क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारेगी, जिससे जनाधार बेहतर किया जा सके। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी का संगठन जहां मजबूत होगा, वहां उम्मीदवार उतारेंगे। सीटों की संख्या उस समय की स्थितियों व समीकरणों पर निर्भर करेगी। 2019 में 48 सीटों पर प्रसपा चुनाव लड़ी थी। शिवपाल ने कहा कि यदुवंशी समाज को जोड़ने की मुहिम चलती रहेगी। दूसरे संगठनों के साथ भी पार्टी का संवाद जारी है। समाज के उपेक्षित व पिछड़े लोगों की आवाज प्रसपा उठाएगी।

रामवीर उपाध्याय की ब्राह्मण समाज में थी मजबूत पकड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के पूर्व ऊर्जा मंत्री रामवीर उपाध्याय बसपा की सरकार में चिकित्सा शिक्षा और परिवहन मंत्री भी रहे थे। उनका आगरा से गहरा जुड़ाव रहा। ब्राह्मण समाज में उनकी खासी पकड़ थी। वर्ष 2009 में उन्होंने पत्नी सीमा उपाध्याय को आगरा की फतेहपुरसीकरी लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा। वह राजबब्बर को हराकर चुनाव जीती थीं। मूलरूप से सादाबाद निवासी रामवीर उपाध्याय ने बसपा सरकार के दौरान ही आगरा को अपनी कर्मभूमि बना लिया था।

उन्होंने शास्त्रीपुरम में आवास बनवाया। बसपा के कद्दावर नेता रहे रामवीर उपाध्याय का पार्टी से वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मोहभंग हो गया था। उनकी पत्नी सीमा उपाध्याय और भाई मुकुल उपाध्याय पहले ही भाजपा का दामन थाम चुके थे। विधानसभा चुनाव से पहले उनके पुत्र चिराग भी आगरा में ही भाजपा में शामिल हो गए। यही कारण था कि भाजपा ने उन्हें न केवल पार्टी में शामिल किया बल्कि विधानसभा चुनाव में भी उतारा था। उनके निधन से जिले में शोक की लहर दौड़ गई। भाजपा नेता केके भारद्वाज ने कहा कि वह दूरदर्शी और सर्वसमाज का हित बात करने वाले नेता थे। उनके निधन से राजनीति में बड़ा शून्य हो गया।

लोक सभा चुनाव : पश्चिम से पूरब तक साधने की तैयारी, यूपी की सभी सीटों पर भाजपा की नजर

- प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ संभालेंगे मोर्चा
- पश्चिम में किसानों और जाटों में पैठ बढ़ाने पर फोकस
- जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की तैयारी

गीताश्री

लखनऊ। लोक सभा चुनाव में भले ही अभी करीब दो साल का समय है लेकिन भाजपा ने अभी से इसकी तैयारी जोर-शोर से शुरू कर दी है। पार्टी की नजरें पश्चिमी यूपी से लेकर पूरब तक के एक-एक जिले पर है। प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करने के लिए भाजपा नेतृत्व ने पूरा खाका तैयार कर लिया है। पश्चिम में भाजपा को मजबूती देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मोर्चा संभालेंगे वहीं पूरब में सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथ में भाजपा को जीत दिलाने की कमान होगी।

भाजपा की सबसे अधिक नजर पश्चिमी यूपी में लगी हुई है। नए अध्यक्ष बनने के बाद भूपेंद्र सिंह चौधरी सबसे पहले पश्चिमी यूपी पहुंचे। गाजियाबाद में संगठन को धार दिया। अब सीएम योगी मुरादाबाद, रामपुर और बिजनौर के दौरे पर जा रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को योगी बलरामपुर और देवीपाटन जिलों में रहे। पश्चिमी यूपी में जाट और किसानों का मुद्दा छाए रहने के कारण वहां के गुणा-गणित के तहत भूपेंद्र चौधरी को प्रदेश संगठन की कमान दी गई है। 2024 का लोक सभा चुनाव उन्हीं के अध्यक्षीय कार्यकाल में होना है। पद संभालने के साथ ही भूपेंद्र चौधरी ने दौरों का सिलसिला शुरू कर दिया है। भूपेंद्र सिंह पूर्वांचल के वाराणसी भी पहुंचे हैं। यहां उन्होंने संगठन के लोगों के साथ अलग-अलग बैठकें की। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुरादाबाद, बिजनौर और रामपुर का दौरा करेंगे और प्रशासनिक के साथ सियासी माहौल की भी समीक्षा करेंगे। मुरादाबाद में मुख्यमंत्री पहले जनप्रतिनिधियों और पार्टी के नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरान उनकी फीडबैक लेंगे। इस दौरान रामपुर, बिजनौर, संभल और अमरोहा के अधिकारी और जनप्रतिनिधि वचुअंल मीटिंग से जुड़ेंगे। पूर्वांचल में सीएम योगी की सबसे अधिक पकड़ है लिहाजा वे पूर्वांचल को साधेंगे और प्रदेश की सभी अस्सी लोक सभा सीटों पर जीतने के लक्ष्य पर फोकस करेंगे।

हारी सीटों पर भी नजर

राजनीतिक रूप से पश्चिमी क्षेत्र में चुनौतियां भी ज्यादा हैं, ऐसे में भाजपा ने इस क्षेत्र को विशेष तवज्जो दी है। क्षेत्रीय प्रवक्ता गजेंद्र शर्मा का कहना है कि पश्चिमी यूपी की हारी लोक सभा सीटों पर पार्टी कई स्तरों पर मेहनत कर रही है।

किलेबंदी पर फोकस

भाजपा ने अपने संगठन के दोनों ओपनरों को पहले पश्चिम यूपी की पिच पर उतार दिया है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री सूबे में पहली संगठनात्मक बैठक के लिए पश्चिमी क्षेत्र को चुना। इस क्षेत्र की 14 में से छह लोक सभा सीटें विपक्षी दलों के पास हैं, ऐसे में भाजपा पश्चिम क्षेत्र की किलेबंदी पर विशेष फोकस कर रही है। पश्चिमी उप्र से पहली बार संगठन महामंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। 21 अगस्त को प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल ने गाजियाबाद में स्वतंत्र देव सिंह, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक समेत दिग्गज चेहरों के साथ पहली बैठक कर पश्चिमी उप्र के महत्व को रेखांकित कर दिया था। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह दो बार क्षेत्रीय अध्यक्ष रहने की वजह से पश्चिम की नस-नस से वाकिफ हैं। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में रहते हुए धर्मपाल ने मेरठ से लेकर आगरा तक कई साल बिताए हैं।

सियासत के चक्रव्यूह में डोल रही 18 जातियां

18 ओबीसी जातियों को एससी बनाने की चौथी कोशिश भी नाकाम

- 2005 में मुलायम सरकार ने जारी की अधिसूचना पर हुआ कुछ नहीं
- मायावती, अखिलेश सहित योगी की प्लानिंग भी रही फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की पूरी सियासत में जाति एक बड़ी सच्चाई है। इसे समझने के लिए ताजा उदाहरण ओबीसी की 18 जातियों को एससी कैटेगरी में शामिल करने की अधिसूचना का है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 31 अगस्त को एक आदेश में ओबीसी की 18 जातियों को अनुसूचित जाति की कैटेगरी में शामिल करने की अधिसूचना को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट के इस आदेश को बीजेपी सरकार के लिए झटका माना जा रहा है क्योंकि योगी सरकार ने 2019 में इन 18 जातियों को ओबीसी से हटाकर एससी में शामिल करने की अधिसूचना जारी की थी। हाईकोर्ट के फैसले का ओबीसी और एससी समाज के साथ यूपी की राजनीति पर असर पड़ना तय है।

यूपी सरकार की ओर से 18 ओबीसी जातियों को एससी कैटेगरी में डालने का प्रस्ताव तैयार किया गया। इनमें मझवा, कहार, कश्यप, केवट, मल्लाह, निषाद, कुम्हार, प्रजापति, धीवर, बिंद, भर, राजभर, धीमान, बाथम, तुरहा, गोडिया, मांझी और मछुआ ओबीसी उपजाति शामिल रहे हैं। अबकी बार मौजूदा सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी 2019 में अधिसूचना जारी की मगर इस बार 31 अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने योगी सरकार की अधिसूचना पर रोक लगा दी है। वहीं इस मामले में यूपी सरकार के मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने कहा कि ये मामला कोर्ट में लंबित होने की वजह से अब तक कोई कदम नहीं उठाया जा सका था। अब कोर्ट के फैसले के बाद मझवार समेत निषादों की सभी उपजातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने को लेकर केंद्र सरकार से आग्रह कर कार्रवाई करने को कहेंगे। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा, नेता धोखा देने वाले दोमुंहा सांप होते हैं। इसलिए 26 सितंबर से सुभासपा की संविधान यात्रा में जनता को इस बाबत बताया जाएगा कि नेता ओबीसी जातियों को एससी में शामिल करने के मामले में धोखा देने का काम कर रहे हैं।

2005 में मुलायम सिंह यादव ने की थी कोशिश

ओबीसी की 18 जातियों को एससी में शामिल कराने की ये कोशिश पिछले 17 सालों से चल रही है। सबसे पहले साल 2005 में तब के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की सरकार ने इस मामले में अधिसूचना जारी की थी। तब 17 ओबीसी जातियों को रष्ट में शामिल करने की अधिसूचना जारी हुई थी, लेकिन उस समय भी कोर्ट ने मुलायम सरकार के फैसले पर रोक लगा दी थी।

2007 में मायावती ने आरक्षण कोटा बढ़ाने पर दिया था जोर

यूपी में 2007 में चुनाव हुए। मुलायम सत्ता से बाहर हो गए। मायावती के हाथ में प्रदेश की कमान आई। दलित राजनीति का चेहरा मायावती को ओबीसी जातियों को एससी में डाले जाने का फैसला मंजूर नहीं था। उन्होंने इस फैसले को खारिज कर दिया। केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कहा कि ओबीसी श्रेणी की 17 जातियों को हम एससी कैटेगरी में डालने को तैयार हैं लेकिन दलितों के आरक्षण का कोटा 21 से बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया जाए। यह आरक्षण का पूरा स्ट्रक्चर बदलने का प्रस्ताव था। ऐसे में मामला अटक गया।

अखिलेश यादव ने 2016 में डीएम को जारी किए थे आदेश

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपनी सरकार के आखिरी दिनों में 22 दिसंबर 2016 को 18 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किए जाने की अधिसूचना जारी की थी। अखिलेश सरकार की तरफ से सभी जिले के कलेक्टरों को आदेश भी जारी कर दिया गया था कि इन जातियों के सभी लोगों को ओबीसी की बजाय एससी का सर्टिफिकेट दिया जाए। बाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 24 जनवरी 2017 को इस अधिसूचना पर रोक लगा दी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विक्रांत के नौसेना में शामिल होने के मायने

स्वदेशी तकनीक से बना आईएनएस विक्रांत भारतीय नौसेना में शामिल हो गया। अब नौसेना के पास दो एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत और विक्रमादित्य हैं। इसके साथ अमेरिका, यूके, रूस, चीन और फ्रांस के बाद भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिसमें स्वदेशी तकनीक से एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने की क्षमता है। विक्रांत के समुद्र में उतरने से भारतीय नौसेना की ताकत भी दोगुनी हो गयी है। सवाल यह है कि विक्रांत का भारत के समुद्री सैन्य रणनीति पर क्या असर पड़ेगा? क्या यह एयरक्राफ्ट कैरियर हिंद महासागर में चीन की बढ़ती दखलंदाजी और भारत को घेरने की उसकी रणनीति को कुंद कर सकेगा? क्या समुद्री युद्ध में विक्रांत गेम चेंजर साबित होगा? क्या राष्ट्रीय हितों की पूर्ति में नौसेना की बढ़ती ताकत सहायक होगी? क्या दो मोर्चों पर युद्ध की स्थिति में विक्रांत अहम भूमिका निभा सकेगा?

भारत के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर का नाम विक्रांत ही था। इसे भारत ने 1961 में ब्रिटेन से खरीदा था। इस युद्धपोत ने 1971 की जंग में पाकिस्तान को सबक सिखाया था। 1997 में इसे सेवा से हटा दिया गया। अब जब भारत ने स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर बनाया तो विक्रांत नाम बरकरार रखा। विक्रांत में 76 फीसदी स्वदेशी उपकरण लगे हैं। इस पर ब्रह्मोस तैनात रहेगी। युद्धपोत में तीस एयरफ्रॉफ्ट तैनात किए जा सकते हैं और मिग 29के फाइटर जेट भी उड़ान भर सकते हैं। इसमें एक बार में 1600 से ज्यादा जवानों को ले जाया जा सकता है। दरअसल, चीन के हिंद महासागर में बढ़ते दखल के कारण भारतीय नौसेना को नए एयरक्राफ्ट की जरूरत थी। ऐसे में विक्रांत गेमचेंजर साबित हो सकता है। चीन अब तक तीन एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग, शैंडोंग और फुजियान उतार चुका है। इसके मुकाबले भारत के पास अभी दो ही एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। पाकिस्तान के पास एक भी एयरक्राफ्ट कैरियर नहीं है। चीन ने भारत को घेरने के लिए श्रीलंका का हम्बनटोटा और पाकिस्तान का ग्वादर पोर्ट को लीज पर लिया है। वहीं भारत ने ओमान के दुकम पोर्ट पर बेस बनाया है। भारत का निकोबार द्वीप अहम है क्योंकि ये चीन के कारोबार को रोक सकता है। यहां से चीन का 70 फीसदी तेल और 60 फीसदी कारोबार रुक सकता है। समुद्र में ताकत बढ़ाने के लिए एयरक्राफ्ट कैरियर सबसे अहम है। जाहिर है, विक्रांत के समुद्र में उतरने से न केवल हिंद महासागर में शक्ति संतुलन बनेगा बल्कि चीन की विस्तारवादी नीति पर भी अंकुश लगेगा। वहीं दो मोर्चों पर युद्ध की स्थिति में यह युद्धपोत बेहद कारगर साबित होगा। हालांकि भारत को हिंद महासागर में अपना दबदबा बनाने के लिए और एयरक्राफ्ट की जरूरत है।

“ विक्रांत के समुद्र में उतरने से न केवल हिंद महासागर में शक्ति संतुलन बनेगा बल्कि चीन की विस्तारवादी नीति पर भी अंकुश लगेगा। वहीं दो मोर्चों पर युद्ध की स्थिति में यह युद्धपोत बेहद कारगर साबित होगा। हालांकि भारत को हिंद महासागर में अपना दबदबा बनाने के लिए और एयरक्राफ्ट की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत में मंदी की संभावना नहीं

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश प्रबंधन एवं वित्तीय सेवा कंपनी मोर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने प्रतिवेदन जारी कर कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत एशिया में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनकर उभरने जा रहा है। इनके अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर लेगी जो विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी एवं भारत का एशियाई एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास दर में क्रमश 28 एवं 22 प्रतिशत का योगदान रहने जा रहा है।

भारत में सुदृढ़ आर्थिक मांग उत्पन्न होने की प्रबल संभावनाएं मौजूद हैं। आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी तेजी से लागू किये जा रहे हैं। देश में पर्याप्त मात्रा में युवा श्रम शक्ति मौजूद है एवं व्यापार में लगातार निवेश बढ़ रहा है। ब्लूम्बर्ग द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार कोविड महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बीच भारत में मंदी की शून्य सम्भावना है जबकि कई विकसित एवं विकासशील देश भी मंदी की परेशानी से जूझ रहे हैं। यह भारत के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत ने पिछले 8 वर्ष के दौरान आर्थिक क्षेत्र में कई अहम फैसले लिए हैं जिनका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। जो क्षेत्र अभी तक लगभग पूर्णत: आयात पर निर्भर थे, उन क्षेत्रों से भी निर्यात तेज गति पकड़ रहा है। जैसे खिलौना, सुरक्षा उपकरण निर्माण, फार्मा, सूचना प्रौद्योगिकी और ऑटो उद्योग आदि। भारतीय खिलौने पूरी दुनिया को निर्यात किये जा रहे हैं। यह वैश्विक आकार लेता दिख रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय खिलौना बाजार 2024-25 तक 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले तीन वर्षों में भारत से खिलौना निर्यात में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले भारत घरेलू स्तर पर तैयार खिलौनों का सिर्फ 400 करोड़ का निर्यात करता था लेकिन अब ये आंकड़ा 2600 करोड़ पार कर गया है। देश की रक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से डीआरडीओ द्वारा भारत को रक्षा उपकरणों के निर्यातक देशों की श्रेणी में ऊपर लाने की लगातार कोशिश की जा रही है। भारत जल्द ही दुनिया के कई देशों यथा फिलीपींस, वियतनाम एवं इंडोनेशिया आदि को ब्रह्मोस मिसाइल भी निर्यात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अन्य देशों जैसे सऊदी अरब एवं दक्षिण अफ्रीका आदि ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में

रुचि दिखाई है। आज भारत से 84 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात किया जा रहा है। इस सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं जिन्हें भारत द्वारा बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण, आदि निर्यात किए जा रहे हैं। 1970 के दशक में अस्तित्व में आया भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग आज देश और दुनिया में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। इंडस्ट्री बॉडी नेस्कॉम की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष आईटी सेक्टर में 15.5 प्रतिशत की विकास दर की पूरी संभावना है। आज आईटी सेक्टर में करीब 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है जिसमें लगभग 18 लाख महिलाएं शामिल हैं और आईटी सेक्टर का आकार 200 अरब डॉलर से भी अधिक का है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक वाहन बाजार भी तेज गति से बढ़ रहा है। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 से वर्ष 2030 के बीच भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 49 प्रतिशत की दर से प्रगति करेगा, इतना ही नहीं इन वाहनों की वार्षिक बिक्री भी 1.7 करोड़ यूनिट तक होने की संभावना है। भारत में लिथियम आयन बैटरी की मांग वर्ष 2030 तक सालाना स्तर पर 41 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़कर 142 गीगा वाट तक पहुंच सकती है। घरेलू बाजार में इलेक्ट्रोनिक वाहनों का 50 प्रतिशत हिस्सा दोपहिया वाहनों की बिक्री का लगभग 4.67 लाख यूनिट के रूप में है। भारत में वर्ष 2021 में ई-रिक्शा की मांग के कारण लेड एसिड बैटरी का हिस्सा 81 प्रतिशत का रहा है। उक्त वर्णित क्षेत्रों के अलावा अन्य कई क्षेत्रों में भी भारत से निर्यात में लगातार प्रभावशाली वृद्धि दर हासिल की जा रही है इसीलिए भारत सरकार द्वारा भारत से किए जाने वाले निर्यात को 2030 तक दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए भारत के 100 भारतीय उत्पादों को ग्लोबल चैंपियन बनाये जाने के प्रयास किए जाएंगे और देशभर में आर्थिक क्षेत्र स्थापित किए जाएंगे। बाहरी देशों के साथ लगातार मुक्त व्यापार समझौते किये जा रहे है। उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद भारत वर्ष 2030 तक विश्व व्यापार के विदेश व्यापार में योगदान देने वाले पहले तीन-चार देशों में शामिल हो जाएगा। भारत में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था और देश के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध विदेशी मुद्रा भंडार के चलते भारत में मंदी की सम्भावनाएं लगभग शून्य हैं।

पर्वों का मूल स्वरूप बनाये रखना जरूरी

पंकज चतुर्वेदी

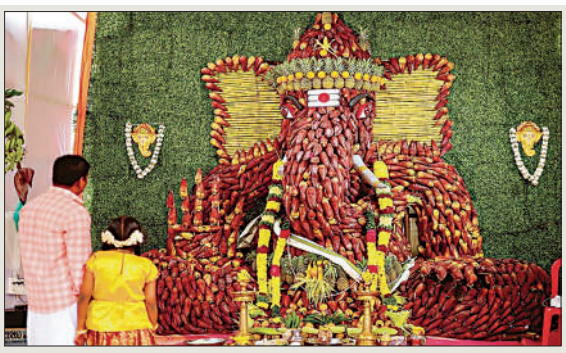

कुछ ही दिनों में बारिश के बादल अपने घरों को लौटने वाले हैं। सुबह सूरज कुछ देर से दिखेगा और जल्दी अंधेरा छाने लगेगा। असल में मौसम का यह बदलता मिजाज उमंगों, खुशहाली के स्वागत की तैयारी है। सनातन मान्यताओं की तरह प्रत्येक शुभ कार्य के पहले गजानन गणपति की आराधना अनिवार्य है और इसीलिए उत्सवों का प्रारंभ गणेश चतुर्थी से ही होता है। कुछ साल से प्रधानमंत्री 'मन की बात' में अपील कर रहे हैं कि देव प्रतिमाएं प्लास्टर ऑफ पेरिस यानी पीओपी की नहीं बनाएं, मिट्टी की ही बनाएं। तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान की सरकारें भी ऐसे आदेश जारी कर चुकी हैं, लेकिन राजधानी दिल्ली में ही कई जगह धड़ल्ले से पीओपी की प्रतिमाएं बिक रही हैं। ऐसा ही दृश्य देश के हर बड़े-छोटे कस्बे में देखा जा सकता है। यह तो प्रारंभ है, इसके बाद दुर्गा पूजा या नवरात्रि, दीपावली से लेकर होली तक एक के बाद एक आने वाले त्योहार असल में किसी जाति-पंथ के नहीं बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतीक हैं। विडंबना है कि त्योहारों के रीति-रिवाज, खानपान कभी समाज और प्रकृति के अनुरूप हुआ करते थे लेकिन आज पर्यावरण, समाज और संस्कृति की अनदेखी नजर आती है।

निर्देश, आदेश, अदालतों के फरमान के बावजूद गणपति-पर्व का मिजाज बदलता नहीं दिख रहा है। महाराष्ट्र, उससे सटे गोवा, आंध्रप्रदेश व तेलगांना, छत्तीसगढ़, गुजरात व म.प्र. के मालवा-निमाड़ अंचल में पारंपरिक रूप से मनाया जाने वाला गणेशोत्सव अब देश में हर गांव-कस्बे तक प्रतिष्ठा पा रहा है। पारंपरिक तौर पर मूर्ति मिट्टी की बनती थी, जिसे प्राकृतिक रंगों, कपड़ों आदि से सजाया जाता था। आज प्रतिमाएं प्लास्टर ऑफ पेरिस से बन रही हैं, जिन्हें रासायनिक रंगों से पोता जाता है। कुछ राज्य सरकारों ने प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों को जब्त करने की चेतावनी दी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया और पूरा बाजार घटिया रासायनिक रंगों से पुती प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं से पटा हुआ है।

इंदौर के सुबोध खंडेलवाल ने गोबर व कुछ अन्य जड़ी-बूटियों को मिलाकर ऐसी गणेश प्रतिमाएं बनवाई जो पानी में एक घंटे में घर में ही घुल जाती हैं, लेकिन बड़े गणेश मंडलों ने ऐसे पर्यावरण-मित्र प्रयोगों को स्वीकार नहीं किया। मुंबई में भी गमले में बीज के साथ गणपति प्रतिमा के प्रयोग हुए लेकिन लोगों को तो चटख रंग वाली विशाल, पीओपी की प्रतिमाओं में ही भगवान का तेज दिख रहा है। गणेशोत्सव के समापन के साथ ही नवरात्रि में दुर्गापूजा शुरू हो जाएगी। यह पर्व भी लगभग पूरे भारत में मनाया जाने लगा है। हर गांव-कस्बे में एक से अधिक स्थानों पर सार्वजनिक पूजा पंडाल बन रहे हैं। बीच में विश्वकर्मा पूजा और अब इसकी भी प्रतिमाएं बनाने का रिवाज शुरू हो गया है। कहना न होगा कि प्रतिमा स्थापना की कई हजार करोड़ की राशि में जनता की भागीदारी है। एक अनुमान है कि हर साल देश में इन तीन महीनों के दौरान 10 लाख से ज्यादा प्रतिमाएं बनती हैं और इनमें से 90 फीसदी प्लास्टर ऑफ पेरिस की होती हैं। इस तरह देश के ताल-तलैया, नदियों-समुद्र में नब्बे दिनों में कई सौ टन प्लास्टर ऑफ पेरिस, रासायनिक रंग, पूजा सामग्री मिल जाती है।

पीओपी ऐसा पदार्थ है जो कभी समाप्त नहीं होता है। इससे वातावरण में प्रदूषण की मात्रा बढ़ने की संभावना बहुत अधिक है। प्लास्टर ऑफ पेरिस, कैल्शियम सल्फेट हेमी हाइड्रेट होता है जो जिप्सम से बनता है। मूर्तियों को विषैले एवं पानी में न घुलने वाले नॉन-बायोडिग्रेडेबल रंगों में रंगा जाता है, इसलिए हर साल इन मूर्तियों के विसर्जन के बाद पानी की बॉयोलॉजिकल आक्सीजन डिमांड तेजी से घट जाती है जो जलजन्य जीवों के लिए कहर बनता है। मानसून में नदियों के साथ ढेर सारी मिट्टी बहकर आती है। चिकनी मिट्टी, पीली, काली या लाल मिट्टी। परंपरा तो ही थी कि कुम्हार नदी-सरिताओं के तट से यह चिकनी महीन मिट्टी लेकर आता था और उससे प्रतिमा गढ़ता था। पूजा होती थी और 'तेरा तुझको अर्पण' की सनातन परंपरा के अनुसार उस मिट्टी को फिर से जल में ही प्रवाहित कर दिया जाता था। प्रतिमा के साथ अन्न, फल विसर्जित होता था जो कि जल-चरों के लिए भोजन होता था। नदी में रहने वाले मछली-कछुए आदि ही तो जल को शुद्ध रखने में भूमिका निभाते हैं। उन्हें भी प्रसाद मिलना चाहिए लेकिन आज तो हम नदी में जहर बहा रहे हैं।

दरअसल, हमें प्रत्येक त्योहार की मूल आत्मा को समझना होगा, जरूरी तो नहीं कि बड़ी प्रतिमा बनाने से ही भगवान ज्यादा खुश होंगे! छोटी प्रतिमा बनाकर उसका विसर्जन जल-निधियों की जगह अन्य किसी तरीके से करने, प्रतिमाओं को बनाने में पर्यावरण मित्र सामग्री का इस्तेमाल करने जैसे प्रयोग तो किए जा सकते हैं। फूल-ज्वार आदि को स्थानीय बगीचे में जमीन में दबा कर उसका कंपोस्ट बनाना, चढ़ावे के फल, अन्य सामग्री को जरूरतमंदों को बांटना, मिट्टी के दीयों का प्रयोग ज्यादा करना, तेज ध्वनि बजाने से बचना जैसे साधारण से प्रयोग हैं जो पर्वों से उत्पन्न प्रदूषण व उससे उपजने वाली बीमारियों पर काफी हद तक रोक लगा सकते हैं। पर्व आपसी सौहार्द बढ़ाने, उमंग का संचार करने के और बदलते मौसम में स्फूर्ति के संचार के वाहक होते हैं। इन्हें अपने मूल स्वरूप में अक्षुण्ण रखने की जिम्मेदारी भी समाज की है।

बच्चे की आंखों में आंखें डालकर न देखें। इससे बच्चा विचलित हो सकता है।

दूध पिलाने के बाद बच्चे को डकार जरूर दिलवाएं।

याद रखिए कोलिक से बहुत सारे बच्चों को गुजरना पड़ता है और इसमें चिंता करने वाली कोई बात नहीं होती।

बच्चे के ज्यादा रोने की वजह हो सकती है पर्पल क्राइंग

बच्चे रोते ही हैं इसमें कोई असामान्य बात नहीं है। लेकिन यदि आपका बच्चा लगातार रो रहा है और आप उसे शांत नहीं करा पा रहे हैं तो यह परेशानी वाली बात है। शुरुआत के तीन महीने बच्चे अधिक रोते हैं। ज्यादातर समय बच्चा कब और क्यों रोता है यह पेरेंट्स भली भांति जानते हैं। हर बच्चा अपने आप में अलग होता है। कई बच्चे तकरीबन एक घंटे तक रोते हैं तो वहीं कुछ बच्चे लगातार चार पांच घंटों तक रोते हैं। यदि बच्चा लगातार रो रहा है तो यह स्थिति आपके लिए थोड़ी मुश्किल हो जाती है।

सबसे बड़ी बात जो ज्यादातर पेरेंट्स गौर करना भूल जाते हैं वह है रोते समय बच्चे के चेहरे का हावभाव जो इस समय बिल्कुल अलग हो जाता है। फिर भी पेरेंट्स को चाहिए कि बच्चे को चुप कराने की पूरी कोशिश करें और अगर फिर भी बच्चा चुप न हो तो इसमें झल्लाहट वाली कोई बात नहीं। यह भी एक चरण होता है जो गुजर जाता है।

कोलिक क्या है

पहले दो महीने में इस समस्या से लगभग सभी बच्चे जूझते हैं। यह शिशुओं में एक आम समस्या है। इसमें बच्चा अत्यधिक तब रोता है जब पेट में दर्द की परेशानी होती है। यदि आपका बच्चा स्वस्थ, एक्टिव और खुश लगे फिर भी वह बुरी तरीके से रोता हो तो फिर यह संकेत कोलिक की तरफ इशारा करता है। कोलिक के मुख्य लक्षण है जब बच्चा जोर-जोर से लगातार रोता है, ठीक से सोता नहीं, ठीक से दूध नहीं पीता, मुट्ठी को जकड़ना और घुटने उठाना आदि।

कारण

कोलिक का सही कारण अभी तक एक रहस्य बना हुआ है। यह अपच और हवा से जुड़ा हुआ है। इसका अर्थ है कि बच्चे की आंत ब्रेस्ट मिल्क और फार्मूला मिल्क में कुछ पदर्थों के लिए बहुत ही सेंसिटिव है। जिन बच्चों की माताएं गर्भावस्था के दौरान धूम्रपान करती हैं उन बच्चों को कोलिक होने की संभावना ज्यादा होती है।

नार्मल बच्चे के लक्षण

नवजात बच्चे कम से कम दो से तीन घंटे रोजाना रोते हैं उनके रोने के कई कारण हो सकते हैं जैसे भूख, प्यास, नींद, अकेलापन या फिर किसी प्रकार का कोई दर्द। आप गौर करेंगे कि जन्म के बाद पहले हफ्ते में अकसर बच्चा शाम के ही समय ज्यादा उधम मचाता है। यह भी नार्मल है। हालांकि, यदि आपका बच्चा लगातार असामान्य तरीके से रो रहा हो तो इसका मतलब है उसे सेहत से जुड़ी कोई समस्या है जो आप समझ नहीं पा रहे है। इस तरह की परिस्थिति में आपके लिए बेहतर होगा कि आप फौरन डॉक्टर को इस बात की जानकारी दें और उनसे उचित सलाह लें।

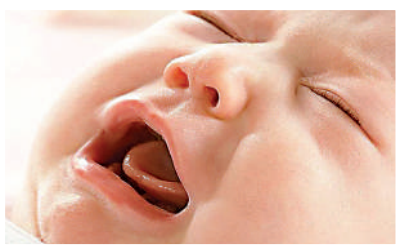

बच्चों के रोने के प्रमुख कारणों पर दें ध्यान

- बच्चे के रोने का सबसे आम कारण भूख लगना हो सकता है।
- दूध पीने के बाद भी यदि बच्चा रोता है तो इसका मतलब उसे डकार की जरुरत है।
- कोलिक की समस्या के कारण भी बच्चा ज्यादा रोता है।
- जब बच्चा गोद में आना चाहता हो।
- जब बच्चा बहुत ज्यादा थका हुआ हो और वह सोना चाहता हो।
- अगर बच्चे को ज्यादा गर्मी या ज्यादा ठंड लगती है तब भी बच्चा रोता है।
- जब बच्चे का डायपर गीला हो।
- बच्चा जब स्वस्थ न हो तब भी वह रोता है।

पर्पल क्राइंग क्या है

शिशु विशेषज्ञ रोनाल्ड बर्र के अनुसार पर्पल क्राइंग में बच्चा लगातार रोता है या फिर उसे कोलिक की समस्या होती है। पर्पल क्राइंग यह बताता है कि यह सिर्फ एक चरण है जिससे बहुत से बच्चों को गुजरना पड़ता है। दरअसल पर्पल अक्षर का अर्थ परसिस्टेंट क्राइंग से जुड़ा हुआ है।

पी: पीक ऑफ क्राइंग, इसका अर्थ है कि जब बच्चा दो महीने के आस पास तक ज्यादा रोता है लेकिन तीन महीने के बाद बच्चे का रोना कम हो जाता है।

यु: अनएक्सपेक्टेड क्राइंग-जब पेरेंट्स को बच्चे के रोने का कारण पता नहीं चल पाता और बच्चे को शांत कराना मुश्किल हो जाता है।

आर: रिजस्टि सूदिंग-कोई फर्क नहीं पड़ता आप क्या कर रहे हैं। बच्चे को सहज महसूस नहीं करा सकते।

पी: पेन-लाइक-फेस-जब बच्चा दर्द में प्रतीत होता है।

एल: लॉन्ग लास्टिंग-जब बच्चा घंटों तक रोता रहता है खास तौर पर शाम के समय।

इ: बच्चा दोपहर बाद या फिर शाम को रोना शुरू करता है।

इस अवधि में कैसे संभाले

बच्चे को दूध पिलाने की कोशिश करें। कई बार सहजता से दूध पीने के कारण बच्चा शांत हो जाता है। दूध पिलाने के बाद बच्चे को डकार जरूर दिलवाएं। बच्चे को गुनगुने पानी से ही नहलाएं। बच्चे के पीठ, कंधे और पैरों में हल्की मालिश करें। बच्चे को प्यार और दुलार से पुचकारे उसे शांत कराने का सबसे अच्छा तरीका यही होता है। बच्चे की आँखों में आंखें डालकर न देखें। इससे बच्चा विचलित हो सकता है। जब भी बच्चे की ओर देखें बिल्कुल प्यार से देखें।

पर्पल क्राइंग की अवधि बच्चे के जीवन के एक विशेष चरण से जुड़ी होती है। यह बच्चे के विकास में एक सामान्य कारक है। कोलिक न तो कोई बीमारी है और न ही बच्चे के विकास में कोई बाधा फिर भी कई पेरेंट्स इसे लेकर चिंतित रहते हैं। खास तौर पर तब जब डॉक्टरी इलाज का सुझाव दें। कोलिक किसी असामान्य विकास से नहीं जुड़ा हुआ है। पर्पल क्राइंग आमतौर पर दो हफ्ते के बच्चों को होता है जो चार महीने तक रहता है। इस दौरान बच्चे बहुत ज्यादा रोते हैं।

कहानी — सलाह

एक बार की बात है अकबर दरबार लगाए बैठे थे। अकबर के मन में एक सवाल आया और अपनी सभा से पूछा, हमारे राज्य में किस व्यवसाय के लोग सबसे अधिक है, किसी ने कहा सैनिक, किसी ने कहा बाबर्ची आदि-आदि। जब बीरबल का नंबर आया तो बीरबल ने कहा हमारे राज्य में डॉक्टर सबसे ज्यादा है। यह सुनकर अकबर को बहुत अचम्भा हुआ उसने बीरबल से कहा बीरबल हमारे राज्य में तो गिने चुने डॉक्टर हैं। बीरबल ने कहा हुजूर जिसका जवाब में कल दूंगा कल आप मेरे साथ चलिएगा। अगले दिन अकबर बीरबल जैसे ही निकले अकबर ने देखा बीरबल का हाथ चाकू से कट गया है। अकबर ने पूछा ये क्या हुआ बीरबल ने बताया सुबह फल काटते समय हाथ कट गया। अकबर ने तुरंत कहा इस पर यह दवा लगा लेना और दोनों घूमने निकल लिए। बीरबल के हाथ में काफी दर्द हो रहा था तो बीरबल एक जगह पेड़ के नीचे बैठ गए चुकी बीरबल को सभी जानते थे तो जो भी उधर से गुजरता बीरबल का हाथ देख कर कुछ न कुछ सलाह जरूर दे देता और बीरबल उन सबके नाम एक कागज पर लिख लेते। शाम होते-होते उस कागज पर कई नाम हो गए जब बादशाह लौटकर आये तो उन्होंने पूछा ये कागज कैसा है बीरबल ने सब बता दिया और कहां जहांपनाह आपका नाम तो सबसे ऊपर लिखना भूल ही गया। अपने तो सबसे पहली सलाह दी थी। अकबर समझ गए बीरबल क्या कहना चाहते है।

सीख: जब तक हमसे सलाह मांगी न जाये हमें नहीं देनी चाहिए और जब उस विषय पर हमें पूरी समझ हो तभी कोई सलाह देनी चाहिए।

हंसना मना है

पत्नी-आप बहुत भोले हैं... आपको कोई भी बेवकूफ बना देता है। पति-शुरुआत तो तेरे बाप ने की है।

सेठ (नौकर से)- जरा देखना तो कितना टाइम हो रहा है...? नौकर- मुझे टाइम देखना नहीं आता। सेठ- अच्छा कोई बात नहीं। यह देखकर बताओ कि बड़ी सूई कहां है और छोटी सूई कहां है? नौकर- दोनों सूइयां घड़ी में ही हैं।

एक कंजूस अपने बच्चे को पीट रहा था। पड़ोसी ने पूछा- क्यों पीट रहे हो कंजूस-इसको बोला एक सीढ़ी छोड़कर चढ़, चप्पल कम घिसेगी नालायक 2 सीढ़ी छोड़कर चढ़ा, पायजामा फाड़ दिया।

पप्पू मंदिर के बाहर टहल रहा था भिखारी-बेटा तेरी जोड़ी सलामत रहे। पप्पू-अंकल मैं तो सिंगल हूं। भिखारी-मैं जूतों की जोड़ी की बात कर रहा हूं बेटा। पप्पू बेहोश!

6 अंतर खोजें

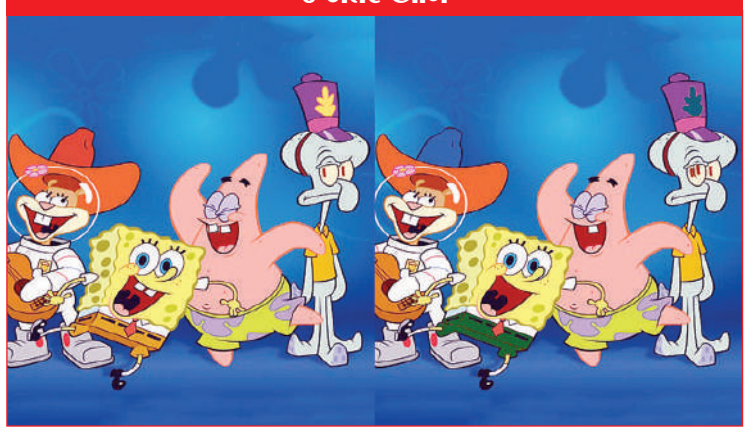

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

परिवार के सदस्यों के साथ टाइम स्पेंड करने से सबके बीच अच्छी अंडरस्टैंडिंग बनेगी। इस राशि के कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा।

तुला

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको अचानक धन लाभ होगा। कई योजनाएं समय से पूरे हो जायेंगे। परिवार में खुशहाली बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ

धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी।

वृश्चिक

यात्रा के लिहाज से आप अभी कुछ कमजोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। खर्चों पर काबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ जरूरी चीजें ही खरीदें।

मिथुन

आपके अच्छे व्यवहार और काम की वजह से आप के उच्च अधिकारी आपसे काफी प्रसन्न रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। कोई नया व्यापार शुरू करने के बारे में आप सोच सकते हैं।

धनु

आज नौकरी में अपने सहयोगियों के साथ अपने संदेहों को दूर करने का प्रयास करें। संतान की तरफ से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कर्क

ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से सक्षम होंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा। किसी बड़ी कंपनी के साथ इंटरर्नशिप करने का मौका मिलेगा।

मकर

खर्चों पर काबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ जरूरी चीजें ही खरीदें। आज आप अपने चारों तरफ के लोगों के बर्ताव के चलते खीज महसूस करेंगे।

सिंह

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। अटके घरेलू कामों को अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर पूरा करने की व्यवस्था करें।

कुम्भ

आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। पैसों से जुड़ा कोई भी फैसला लेने से पहले एक बार फिर सोच लें ताकि स्थिति स्थिर बनी रहे। परिवार का पूरा सहयोग आपको मिलेगा।

कन्या

आपको व्यापार के मामले में अपार सफलता मिलने की संभावना है। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। समाज के हित में कार्य करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मीन

शांत और तनावमुक्त रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। समझदारी से निवेश करें। स्कूल प्रोजेक्ट पर युवाओं को कुछ राय की आवश्यकता हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

प्राइवेट जेट लेना चाहते हैं कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन का नाम बॉलीवुड के बड़े एक्टर्स में शामिल है। लेकिन असल जिंदगी में उनकी इमेज एक सिंपल व्यक्ति की है। हालांकि कार्तिक को महंगी गाड़ियों का बेहद शौक है और उनके पास अच्छा-खासा कलेक्शन है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में कार्तिक ने बताया कि वो एक प्राइवेट जेट खरीदना चाहते हैं। एक सक्सेसफुल एक्टर होने के बाद भी वो हमेशा अपने फैंस से जुड़े रहते हैं। मीडिया इंटरव्यू में जब कार्तिक से पूछा गया कि प्राइवेट जेट का सपना देखने और महंगी गाड़ियों के शौकीन होने के बाद कैसे खुद को ऑडियंस से जोड़कर रखते हैं। कार्तिक ने बताया कि मैं अब भी इकोनॉमी क्लास में ट्रैवल करता हूं। जब जरूरत होती है, तब ही बिजनेस क्लास में जाता हूं। जब लोगों के पास पैसा आ जाता है, तो वो इकोनॉमी में ट्रैवल करना छो? देते हैं, लेकिन मैंने नहीं छोड़ा। मेरे कुछ सपने हैं, मेरे पास ड्रीम कार थी और मुझे एक लेम्बोर्गिनी चाहिए थी और मैंने वो खरीद ली। मैं एक एक्टर बनना चाहता था, वो सपना भी पूरा हो गया। अब मेरे सपने बड़े होते जा रहे हैं, प्राइवेट जेट भी आना चाहिए। कार्तिक ने कहा कि सपने देखना थोड़ी छोड़ दूंगा? कुछ तो इस गरीब आदमी को सोचने दो, लेकिन इन सारी चीजों से आपका दिल नहीं बदलता है। मैटरलिस्टिक चीजों से एक समय के बाद कोई फर्क नहीं पड़ता है। कार्तिक ने बातचीत के दौरान आगे कहा कि वो लाइफ में और सक्सेसफुल होना चाहते हैं, लेकिन फिर भी वो सेम इंसान ही रहेंगे। कार्तिक कहते हैं कि ग्वालियर में मैं अगर मम्मी पापा के साथ सेम रेस्टोरेंट में जाता हूं, तो हम वही पनीर, नान और बूंदी रायता खाते हैं। यह कभी नहीं बदलने वाला है।

क्या बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित होगी रणबीर-आलिया की ब्रह्मास्त्र?

बॉलीवुड | मसाला

रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, नागार्जुन, अमिताभ बच्चन और मौनी रॉय स्टारर फिल्म ब्रह्मास्त्र से बॉलीवुड को काफी उम्मीदे हैं क्योंकि साल 2022 हिंदी सिनेमा के लिए कुछ खास नहीं रहा है। एक ओर जहां बायकॉट ट्रेंड थमने का नाम नहीं ले रहा है तो दूसरी ओर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं कर रही हैं। ब्रह्मास्त्र एक बड़े बजट की फिल्म है और हिट साबित होने की लिए इसे कमाई भी मोटी करनी पड़ेगी। ब्रह्मास्त्र के मेकर्स बीते करीब 8 साल से फिल्म के लिए मेहनत कर रहे थे। एक इंटरव्यू में अयान मुखर्जी ने कहा था कि वो ये जवानी है दीवानी से पहले ही ब्रह्मास्त्र को बनाना चाहते थे लेकिन रणबीर ने उन्हें एक एक कर स्टेप्स लेने की बात कही थी। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रह्मास्त्र का बजट करीब 410 करोड़ रुपये का है। बता दें कि ब्रह्मास्त्र न सिर्फ एक बड़ी स्टार कास्ट वाली फिल्म है, बल्कि फिल्म के विजुएल इफेक्ट्स पर भी मोटा पैसा खर्च किया गया है। फिल्म में रणबीर, आलिया, अमिताभ, मौनी और नागार्जुन के अलावा शाहरुख खान का भी कैमियो है। वहीं कहा जा रहा है कि दीपिका भी फिल्म में जलवा बिखेरते नजर आएंगी। ब्रह्मास्त्र का चूंकि बजट काफी ज्यादा है तो ऐसे में फिल्म को हिट होने के लिए काफी मोटी कमाई करने पड़ेगी। फिल्म का प्रमोशन जोर शोर से जारी है। फिल्म ब्रह्मास्त्र के लिए सिनमा लवर्स और ट्रेड एनालिस्ट्स काफी एक्साइटिड हैं। फिल्म से उम्मीद की जा रही है कि ये बड़ा धमाका कर सकती है। फिल्म के निर्देशक अयान मुखर्जी हैं, जिन्होंने कई सालों की मेहनत के बाद फिल्म को बनाया है। फिल्म में तगड़ी स्टारकास्ट है और उन्हें अच्छी फीस भी मिली हैं। ब्रह्मास्त्र के लिए बताया जा रहा है कि आलिया भट्ट ने दस करोड़, रणबीर कपूर ने 25 करोड़, अमिताभ बच्चन ने भी दस करोड़ रुपए की फीस ली है।

आठ एकड़ के फार्महाउस के मालिक बने अनुष्का और विराट

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली बॉलीवुड के पसंदीदा कपल में एक माने जाते हैं। उनको सोशल मीडिया पर खूब प्यार मिलता है। दोनों ने 11 दिसंबर 2017 को इटली में शादी रचाई थी। दोनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ के लिए सुर्खियों में रहते हैं। एक बार फिर से अनुष्का और विराट चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अनुष्का और विराट ने गणेश चतुर्थी के मौके पर मुंबई के अलीबाग में 8 एकड़ की जमीन खरीदी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अलीबाग के एक गांव जीराड के पास 8 एकड़ में फैली जमीन पर घर बनाया जाएगा। इस फार्महाउस की कीमत की बात करें तो यह 19 करोड़ 24 लाख 50 हजार रुपये की है। इसके लिए दोनों ने सरकारी खजाने में 1 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि जमा करा दी है। दोनों छह महीने पहले इस जमीन को देखने भी गए थे। लेकिन समय की कमी के चलते 30 अगस्त को इस जमीन का सौदा पक्का हो सका। विराट कोहली एशिया कप के चलते इस समय दुबई में हैं। ऐसे में उनके छोटे भाई विकास कोहली ने जमीन से जुड़ी जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने ही 1 करोड़ 15 लाख रुपये से ही जमीन की रजिस्ट्री करवाई है। ये डील समीरा हैबिटेट्स नाम की एक जानी-मानी रियल स्टेट कंपनी के जरिए की गई है। इससे पहले क्रिकेट इंडस्ट्री के दिग्गज रवि शास्त्री और रोहित शर्मा भी इसी इलाके में फार्महाउस खरीद चुके हैं। हाल ही में विराट कोहली ने दिवंगत गायक किशोर कुमार के जुहू वाले बंगले का एक हिस्सा किराए पर लिया है। इस जगह को हाई ग्रेड रेस्टोरेंट में तब्दील किया जाएगा। यहां तेजी स काम चल रहा है। जानकारी के मुताबिक विराट कोहली का ये रेस्टोरेंट लगभग बनकर तैयार हो चुका है और अगले महीने से इसकी शुरुआत भी हो सकती है। अनुष्का शर्मा के वर्कफ्रंट की तो वो फिल्म चकदा एक्सप्रेस से कमबैक कर रही हैं। उन्हें पिछली बार फिल्म जीरो में देखा गया था।

अजब-गजब | खुल गया सालों से छिपा राज

सड़क के नीचे बसी थी दूसरी दुनिया

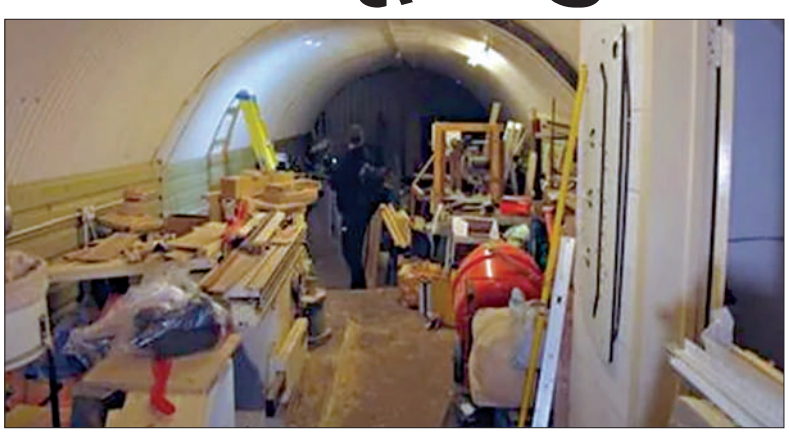

आज के समय में अर्बन एक्सप्लोरर टर्म किसी के लिए नया नहीं है। ये वो लोग हैं जो दुनिया की नजर से छिपी दुनिया को लोगों के सामने ले आते हैं. लॉकडाउन के बाद खासकर ऐसे लोगों की संख्या बढ़ गई है। ये लोग अलग-अलग जगहों पर जाकर खोज करते हैं। इसमें वैसे बंगले शामिल हैं जो सालों से खुला नहीं है या ऐसे अस्पताल या कोई म्यूजियम जो काफी सालों से बंद है। कई बार इन अर्बन एक्सप्लोरर के हाथ छिपा हुआ खजाना लग जाता है। वहीं कई बार इन्हें किसी सड़े लाश को दी देखना पड़ जाता है। ऑनलाइन ये एक्सप्लोरर्स अपनी खोज की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते रहते हैं। हाल ही में कुछ एक्सप्लोरर्स ने यूके की एक सड़क के नीचे की दूसरी दुनिया खोज निकाली। मैथ्यू विलियम्स और मार्टिन गाविन नाम के एक्सप्लोरर यूट्यूब पर अपने खोज की तस्वीरें शेयर करते हैं। इसमें कभी ये किसी अस्पताल में पहुंच जाते हैं तो कभी किसी मेन्टल असाइलम में लेकिन उन्होंने एक सड़क के नीचे जाने का फैसला किया। दोनों सड़क के नीचे की अंडरग्राउंड दुनिया का मुआयना कर रहे थे। तभी उन्हें पता चला कि वैसे तो ये आम लोगों की नजर से भले ही दूर है, लेकिन माफियाओं को इसकी जानकारी थी। वो वहां चरस की खेती कर रहे थे। दोनों यूट्यूबर ब्रिस्टल लाइव के साथ इस खोज पर निकले थे। उन्हें बिलकुल भी अंदाजा नहीं था कि जहां वो जा रहे हैं, वहां ऐसा इलीगल काम होता होगा। उन्होंने इस एक्सपीडिशन का बीस मिनट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया लेकिन इसका लोकेशन डिस्क्लोज नहीं किया। हालांकि वीडियो देखने के बाद कुछ लोगों ने जगह को गेस करने की कोशिश की। कुछ के मुताबिक ये लोकेशन ब्रिस्टल के लॉरेंस हिल के पास का है। मैथ्यू ने बताया कि वो इस अंडरग्राउंड जगह पर बीस साल से आने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अब जाकर उसे मौका मिला। उसने आगे बताया कि वो जबसे यहां आया था, इस अंडरग्राउंड दुनिया के बारे में सुन रहा था। अब उसे एक गेट मिला जिसके जरिये वो अंदर तक जा पाया। अंदर जाने के बाद दोनों को ऐसे कई इक्विपमेंट्स मिले, जो चरस की खेती में इस्तेमाल किये जाते हैं। वहां कई खाली चैम्बर्स थे, जिससे चरस की तेज स्मेल आ रही थी। साथ ही कई छोटे किचन और एक टॉयलेट मिला। हालांकि अब इसका वीडियो वायरल होने के बाद उम्मीद है कि पुलिस यहां पहुंचकर जांच करेगी।

बिछड़े परिवार को मिलाने के लिए पायलट ने रोकी प्लेन

एयरपोर्ट पर हर कुछ सिस्टेमेटिक तरीके से होता है। अगर किसी पैसेंजर को थोड़ी सी देर हो जाए, तो फ्लाइट छूट गई समझें। चेकिंग में थोड़ी भी गड़बड़ी पाए जाने से भी पैसेंजर को बोर्ड करने से रोक दिया जाता है लेकिन हाल ही में ईस्ट मिडलैंड्स एयरपोर्ट पर जो घटना घटी, वो इस मामले में यूनिक साबित हुई। यहां जब पायलट को इस बात की जानकारी हुई कि एक परिवार के दो सदस्य अब प्लेन में समय ना होने की वजह से नहीं चढ़ पाएंगे, तो उसने प्लेन को रनवे से लौटा दिया। सोशल मीडिया पर इन दिनों ब्रिटिश चार्टर एयरलाइन के TUI एयरवेज की काफी चर्चा हो रही है। इसके एक पायलट ने अपने प्लेन में चढ़ी एक महिला और उसके बच्चे को एयरपोर्ट पर छूट गए परिवार से मिलवाने के लिए रनवे मोड़ दिया। बताया जा रहा है कि आखिरी मोमेंट पर महिला की बेटी का पासपोर्ट एयरपोर्ट पर गुम हो गया था. इस वजह से पिता भी अपनी बेटी के साथ फ्लाइट में नहीं चढ़ पाए। लेकिन थोड़ी देर बाद जब उसे पासपोर्ट मिल गया लेकिन तब तक प्लेन रनवे पर पहुंच गया था, लेकिन पायलट की वजह से प्लेन को रोका गया और दोनों अपने परिवार के साथ फ्लाइट में चढ़ पाए। एड्रिअन इंसले अपनी पत्नी, माता-पिता और चार बच्चों के साथ छुट्टी मनाने स्पेन के केनरी आइलैंड के टेनेरीढ़े गए थे, उन्हें ईस्ट मिडलैंड्स एयरपोर्ट पर 10बजे टीयूआई फ्लाइट पकड़नी थी लेकिन इससे पहले एड्रिअन की पत्नी एयरपोर्ट ड्यूटी फ्री शॉप पर गई और वहां शॉपिंग करने लगी. इसी दौरान उससे अपनी एक बेटी का पासपोर्ट मिसप्लेस हो गया। जब सिक्युरिटी चेक शुरू हुआ तब उसे इस बात का पता चला। सिक्योरिटी बिना पासपोर्ट उनकी बेटी को बोर्ड नहीं करने दिया। इस कारण एड्रिअन भी अपनी बेटी के साथ एयरपोर्ट पर ही रुकने को मजबूर हो गए। जब प्लेन में बोर्डिंग कंप्लीट हो गई, इसके बाद एड्रिअन को अपनी बेटी का पासपोर्ट मिल गया। लेकिन तब तक प्लेन रनवे पर चली गई थी। उसे कहा गया कि अब वो बोर्ड नहीं कर सकता।

झारखंड में सियासी सरगर्मी तेज, राज्यपाल पहुंचे दिल्ली

» चुनाव आयोग की सिफारिश पर जल्द फैसला ले सकता राजभवन

» हेमंत सोरेन की विधायकी पर मंडरा रहा खतरा, देना पड़ सकता है इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार को लेकर बीते एक सप्ताह से जारी असमंजस जल्द खत्म हो सकता है। राज्यपाल रमेश बैस शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे हैं। वे केंद्र सरकार के साथ परामर्श के बाद कोई फैसला ले सकते हैं। ऐसे में सब की निगाहें राजभवन से सोरेन को मिलने वाले फरमान पर टिकी हैं। हालांकि, सीएम सोरेन ने गठबंधन सरकार बचाने के पूरे इंतजाम कर लिए हैं। देखना यह होगा कि झारखंड की गठबंधन सरकार इस संकट से कैसे उबरती है।

ये पूरा संकट झारखंड के खदान लीज आवंटन मामले से जुड़ा है। यह मामला अदालतों के गलियारों में लंबित हैं, वहीं चुनाव आयोग ने मामले की सुनवाई कर हेमंत सोरेन की विधायक पद से अयोग्यता को लेकर अपनी सिफारिश राज्यपाल रमेश बैस को भेज दी है। इसके बाद करीब एक हफ्ता बीत गया है और सोरेन सरकार को लेकर असमंजस बना हुआ है। सोरेन सरकार के भविष्य का फैसला राज्यपाल को लेना है। अब तक राज्यपाल ने चुनाव आयोग की रिपोर्ट पर कोई फैसला नहीं किया है। केंद्र से परामर्श के बाद वे जल्द निर्णय ले सकते हैं। बैस किसी फैसले से पहले दिल्ली में कानूनी जानकारों से भी मशवरा कर सकते हैं। यदि राज्यपाल ने चुनाव आयोग की सिफारिश स्वीकार कर ली तो सोरेन को सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ सकता है। इससे राज्य की मौजूदा गठबंधन सरकार मुश्किल में आ जाएगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि चुनाव आयोग ने सोरेन को लेकर क्या क्या सिफारिशें की हैं। हेमंत सोरेन पर लाभ के पद पर रहते हुए झारखंड की खदान की लीज का पट्टा हासिल करने का आरोप है। यह मामला ईडी व सीबीआई जांच के अधीन होकर अदालत में भी लंबित है।

गठबंधन ने मजबूत की घेरेबंदी

झारखंड में राजनीतिक उथल-पुथल की संभावना के चलते सीएम हेमंत सोरेन ने 33 विधायकों (19 झामुमो विधायक, कांग्रेस के 13 और राजद के एक) को रायपुर भेजा है। गठबंधन को आशंका है कि भाजपा राजनीतिक जोड़-तोड़ के जरिए उसकी सरकार को गिरा सकती है इसलिए उसने अपनी घेरेबंदी मजबूत कर ली है। वहीं सीएम हेमंत सोरेन ने पांच सितंबर को विधान सभा सत्र बुलाया है।

अवार्ड से नवाजे गए डॉ. उमंग खन्ना

» टॉप इन्फ्लुएंसर ऑफ होम्योपैथी सम्मान से सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुबई वॉल रूम बर्नेट होम्योपैथी द्वारा आयोजित वर्ल्ड हेल्थ समिट में प्राइड ऑफ होम्योपैथी कार्यक्रम में दुनिया के कई नामचीन होम्योपैथी चिकित्सकों की उपस्थिति में लखनऊ के डॉ उमंग खन्ना को होम्योपैथी को बढ़ाने में योगदान के लिए टॉप इन्फ्लुएंसर ऑफ होम्योपैथी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. उमंग खन्ना ने अवार्ड को देश की जनता को समर्पित करते हुए कहा कि ये श्रद्धा की ज्योति है, विश्वास की जीत है और कंपनी के एमडी डॉ. नितीश चन्द्र दुबे आभार व्यक्त किया। इस मौके पर देश की नामचीन हस्तियां क्रिकेटर रहे श्रीसंत, राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह, सांसद मनोज तिवारी, सांसद दिनेश लाल निरहुआ, अक्षरा सिंह, मंदिरा बेदी और अमेरिकन होम्योपैथी डॉक्टर डाला उलमेन, यूके के प्रोफेसर रोनाल्ड मुरे, जर्मनी के डॉक्टर वेट्रिक्स जेवनर आदि मौजूद रहे। बिहार की पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने कार्यक्रम में होम्योपैथी के अपने अनुभवों को साझा किया।

एलजी ने बेटी को कानून तोड़ दिलाया ठेका, जाएंगे कोर्ट : संजय सिंह

» केंद्र ने नहीं की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि खादी ग्रामोद्योग का चेयरमैन रहते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कानून का उल्लंघन कर बेटी शिवांगी सक्सेना को खादी लाउंज के डिजाइन का ठेका दिया। इस मामले में उन्होंने केवीआईसी एक्ट 1961 का खुला उल्लंघन किया है। केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की। आप उनके खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है।

उन्होंने कहा कि आप ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ जांच का स्वागत किया लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक उपराज्यपाल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है जबकि उनके घोटालों की जांच होनी चाहिए। सक्सेना ने भ्रष्टाचार किया है और वे भ्रष्टाचार की आग से बच नहीं सकते। पूरे मामले पर आम आदमी पार्टी अपने तमाम वरिष्ठ अधिवक्ताओं से राय लेकर और कोर्ट में जाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने केंद्र से उपराज्यपाल को बर्खास्त करने की मांग की। वहीं एलजी पर लगाए जा रहे आरोपों पर राजभवन ने ट्वीट कर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के एक पत्र का जिक्र किया है। पत्र में केवीआईसी ने स्पष्ट किया कि मुंबई लाउंज की परियोजना के निष्पादन की पूरी लागत 27.3 लाख थी। एक दल के नेताओं की तरफ से गलत आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। केवीआईसी ने साफ किया कि 2017 में मुंबई में खादी इंडिया लाउंज तैयार किया था। उत्पादों की लोकप्रियता और बाजार में पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की गई। इंटीरियर डिजाइनर शिवांगी सक्सेना ने लाउंज के लिए निशुल्क डिजाइन तैयार किया था।

नीतीश को मणिपुर में बड़ा झटका, जदयू के पांच विधायक भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। जदयू को मणिपुर में बड़ा झटका लगा है। राज्य में पार्टी के पांच विधायक सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए। मणिपुर विधान सभा सचिव के मेघजीत सिंह की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि विधान सभा अध्यक्ष ने जदयू के पांच विधायकों के भाजपा में विलय को स्वीकार कर लिया है।

जदयू ने मार्च में हुए मणिपुर विधान सभा चुनाव में 38 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इनमें छह सीटों पर उसे जीत हासिल हुई थी। भाजपा में शामिल हुए जदयू के विधायकों में के जायकिशन, एन सनाटे, मोहम्मद अचबउद्दीन, एलएम खौटे और थंगजाम अरुणकुमार शामिल हैं। खौटे और अरुणकुमार ने पहले भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी लेकिन टिकट देने से इंकार पर जदयू में शामिल हो गए थे।

प्रतापगढ़ का कर्ज नहीं उतार सकेगा अपना दल: अनुप्रिया

» सदस्यता अभियान का किया शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को प्रतापगढ़ में आयोजित सदस्यता अभियान के शुभारंभ मौके पर कहा कि पार्टी प्रतापगढ़ का कर्ज नहीं उतार सकती। यहीं से अपना दल का प्रदेश में खाता खुला था और पार्टी का पहला विधायक बना था।

उन्होंने कहा कि उनके पिता स्व. डा. सोने लाल पटेल की यह कर्मभूमि रही। यहीं से उन्होंने कमेरा समाज को एकजुट करने का कार्य किया था। शहर के नजदीक पूरे केशवराय में बना मेडिकल कालेज उन्हीं के नाम पर करके सरकार ने उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि इस दल की नींव यहीं पर पड़ी थी। इसे पार्टी कभी भुला नहीं सकती। इसके पूर्व पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के मंत्री डा. आशीष पटेल ने कहा कि गुंडे माफिया को पार्टी किसी कीमत पर सदस्य नहीं बनाएगी। पार्टी के लोग किसी भी भाजपा के कार्यकर्ता, ब्लाक प्रमुख को सदस्य नहीं बनाएंगे। 2024 के चुनाव को लेकर पार्टी अपनी सदस्यता बढ़ा रही है। पार्टी ने एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। इस दौरान ट्रक आपरेटर यूनियन के अध्यक्ष विजय सिंह सहित कई लोगों ने अपना दल एस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजकुमार पाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश श्रीवास्तव, कार्यकारी जिला अध्यक्ष बृजेश पटेल आदि मौजूद रहे।

बिहार में विपक्ष को मिला बूस्टर डोज पर होना होगा एकजुट

4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 का चुनाव जैसे-जैसे पास आ रहा है सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। बिहार में नीतीश के प्रधानमंत्री प्रत्याशी के होर्डिंग्स भी लगने लगे हैं वहीं प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश के आरोप-प्रत्यारोप का राजनीति पर क्या असर पड़ेगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार धनंजय सिंह, अजय शुक्ला, राजेश बादल, किसान नेता डॉ. सुनीलम और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

धनंजय कुमार ने कहा कि बिहार में भाजपा को आगे बढ़ाने में नीतीश की अहम भूमिका रही। इस बार इनका झगड़ा कांग्रेस से नहीं समाजवादी से है। समाजवाद के नाम पर नीतीश का चेहरा चमक रहा है। उन भ्रष्टाचार और परिवारवाद का आरोप नहीं है। बिहार में भाजपा अकेली है।

अजय शुक्ला ने कहा, नीतीश कुमार की छवि की बात करें तो बिहार विधान सभा में कितनी सीटें लाए थे इस बात का सबूत है। नीतीश कुमार सिर्फ मलाई खाने वाले नेता है। वे विश्वसनीय चेहरा नहीं बन सकते। बड़ी वजह ये है कि वो लगातार अपनी प्रतिबद्धताएं बदलते रहते हैं। नीतीश को सुख कहां मिलेगा वे इसकी राजनीति करते हैं।

डॉ. सुनीलम ने कहा कि मुद्दे की बात यह है कि जो निराशा का वातावरण है, इसे दूर करना है। योगी दुबारा आ गए हैं तो 24 में मुश्किल होगा। महाराष्ट्र का ऑपरेशन सबने देखा। बिहार में तो हुआ है उससे विपक्ष को बूस्टर डोज मिली है। नीतीश कुमार को पहले पीएम मैटरियल मान रहे थे मगर यू टर्न ले लिया। राजेश बादल ने कहा कि लोकतंत्र ऐसे खतरनाक मोड़ पर जा पहुंचा है कि अगर संवैधानिक संस्थाओं को बचाना है, देश में लोकतांत्रिक स्वरूप को जिंदा रखना है तो विपक्ष को एकजुट होना पड़ेगा। अभी मौजूदा स्थिति यह है कि पक्ष और विपक्ष का जो आकार है, वह बहुत असामान है। पक्ष के बराबर जब प्रतिपक्ष हो तो ही सही रहता है पर अभी प्रतिपक्ष कमजोर है। लोकतंत्र में चेहरा मायने नहीं रखता। बिहार में जो पोस्टर लग रहे हैं पीएम पद प्रत्याशी के तो कहीं नीतीश साजिश के तो शिकार नहीं हो रहे हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

'देखो हमरी काशी' अब तक की श्रेष्ठ कृति : राजनाथ

» वाराणसी के रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर में हेमंत शर्मा द्वारा लिखी गई पुस्तक देखो हमरी काशी का लोकार्पण

» टीवी9भारतवर्ष के संचालक और वरिष्ठ पत्रकार हेमंत की नई किताब उन बनारसियों को समर्पित जो दुनिया को ठेंगे पर रखते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। टीवी9भारतवर्ष के संचालक और वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा की काशी की अनुभूति पर लिखी पुस्तक देखो हमरी काशी का लोकार्पण वाराणसी के रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजनाथ सिंह ने पुस्तक का विमोचन किया और कहा कि देश में कुछ लोग आंदोलनजीवी हो गए हैं। उन्हें काशी से बुद्धजीवी, श्रमजीवी और उत्सवजीवी गुण सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, काशी विधाओं का अनोखा फ्यूजन है। हमारी काशी नित नूतन और आत्मा से पुरातन है। रक्षामंत्री ने कहा किसी भी शहर की पहचान भले ही राजनीतिक लोग, प्रशासक, साहित्यकार व अन्य विशिष्टजन के रूप में होती है।

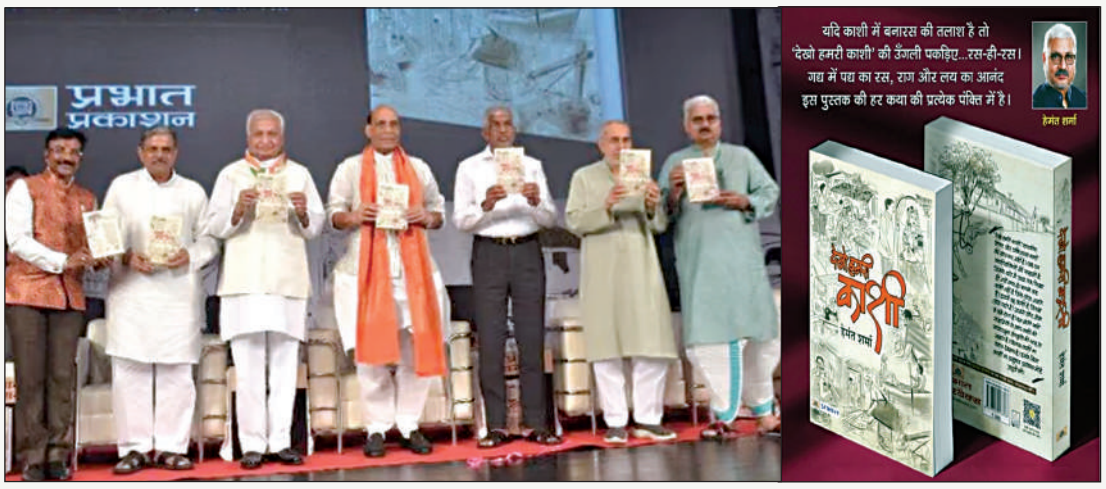

विमोचन समारोह में ये थे मौजूद

इस समारोह में वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा के साथ आरएसएस के निवर्तमान सरकार्यवाह भैयाजी जोशी, वरिष्ठ चिंतक रामबहादुर राय, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, दयाशंकर सिंह, अनिल राजभर, राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र, विधायक सुनील पटेल, नीलरतन पटेल, शरद शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुस्तक की समीक्षा वरिष्ठ चिंतक रामबहादुर राय और कार्यक्रम का संचालन यतींद्र मिश्र ने किया।

मगर, नगर के जनजीवन अंदाज का निर्धारण साधारण जन ही करते हैं। इनके बिना शहर और जीवन की कल्पना संभव नहीं है। यहां के हर निवासी की आत्मा में काशी है। उन्होंने कहा बनारस के रस में लोक का ऐसा रसायन है, जिससे हर कोई मस्ती व फक्कड़पन का अहसास करता है। उन्होंने पुस्तक के कहानियों की चर्चा करते हुए कहा, यह काशी की खासियत है कि यहां मंत्रों व गालियों के बीच अद्वैत संबंध है। मस्ती और महाश्मशान को एक साथ साध लेना इसी शहर में संभव है। देखो हमरी काशी शास्त्री और अभिजात्य है। काशी के सामाजिक ताने-बाने पर आधारित इस पुस्तक में सामाजिक प्रश्नों के उत्तर भी हैं। इसमें यहां की सांस्कृतिक विभूतियां रंगमंच के नेपथ्य में हैं और राष्ट्रगान में वर्णित जनगण का वर्णन है। रक्षामंत्री ने कहा कि बनारस के रस में गोता लगाने के लिए काशी पर लिखी यह पुस्तक अब तक की श्रेष्ठ कृति है। इसमें पंचतत्वीय अनुभूति है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि पश्चिम बंगाल से शुरू भारत के पुनर्जागरण को बनारस में बल मिला है। हमारी संस्कृति की सार्वभौमिक परिकल्पना है कि हम रंग, भाषा और वेश भूषा से नहीं पहचाने जाते हैं। काशी इसी संस्कृति की आत्मा है और इसी काशी ने केरल के कालाणी में जन्मे शंकर को आदि शंकराचार्य बनाया।

यहां लोग मृत्यु की तलाश में आते हैं

राष्ट्रीय स्वयं सेवक के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने देखो हमरी काशी पुस्तक का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें समाज केवल राजा के कारण नहीं बनता है, सागर तल तक के लोग की भागीदारी से बनता है। उन्होंने भारतेंदु हरिश्चंद्र की देखी तुम्हरी काशी में स्याह पक्षों के वर्णन का जिक्र किया और कहा कि भारतेंदु बाबू ने बहुत बेबाकी से अपनी बात कही। अगर वे इस समय होते तो उन पर एफआईआर दर्ज हो गई होती। उन्होंने कहा आज सत्य बोलने से डर लगता है कि पुलिस स्टेशन जाना पड़ेगा। मगर, देखो हमरी काशी पुस्तक में काशी में बनारस का जिक्र ही यहां की पहचान है। काशी ही ऐसा पहला शहर है, जहां लोग मृत्यु की तलाश में भी आते हैं। उन्होंने कहा, इस पुस्तक की प्रस्तावना में वरिष्ठ चिंतक रामबहादुर राय ने काशी को समझने का चश्मा दिया है।

गरीब के बच्चे कहां पढ़ेंगे, भाजपा सरकार को चिंता नहीं : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कसा तंज, भाजपा सरकार कर रही शिक्षा की उपेक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव यूपी की भाजपा सरकार पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि मिशन कायाकल्प के नाम पर करोड़ों रुपये फूंकने के बाद भी सरकारी स्कूलों की हालात में कोई सुधार नहीं हुआ है। तमाम स्कूल जर्जर भवनों में चल रहें हैं।

अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि सरकारी स्कूलों में यदि अच्छे शिक्षक होंगे, सुविधाएं अच्छी होंगी और बच्चों का शैक्षणिक, मानसिक और शारीरिक हर तरह का विकास होगा और साथ ही उसमें उनकी दबी-छिपी प्रतिभा को पहचानने-निखारने का प्रयास होगा तो न बच्चे स्कूल छोड़ेंगे न अभिभावक छुड़वाएंगे। भाजपा शिक्षा की उपेक्षा बंद करे। सपा प्रमुख बोले कि शिक्षकों के पद खाली है और अब भाजपा सरकार यूपी के 11 हजार प्राथमिक विद्यालयों को भी पीपीपी माडल पर पूंजीपतियों को देने की योजना बना रही। इससे रहा-सहा सरकारी नियंत्रण भी समाप्त हो जाएगा। गरीब बच्चे कहां पढ़ेंगे, इसकी चिंता सरकार को नही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में शिक्षा क्षेत्र में घोर अव्यवस्था के चलते परिषदीय स्कूलों से बच्चों और अभिभावकों का मोहभंग हो चला है। अकेले नोएडा में 38 प्रतिशत बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ दिया। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या उत्तर प्रदेश में बढ़ती ही जा रही है। बता दें कि एक दिन पूर्व अखिलेश यादव ने एक अखबार की फोटो शेयर करते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक पर निशाना साधा था। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा था कि पुर्तगाल में एक गर्भवती पर्यटक को दिल का दौरा पड़ने पर सही समय पर अस्पताल की सुविधा नहीं मिलने पर वहां के स्वास्थ्य मंत्री ने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे दिया।

नीयत समझे बिना 'मुफ्त की रेवड़ी' कहना उचित नहीं : वरूण गांधी

» बीजेपी सांसद ने राष्ट्रव्यापी बहस पर कही अपनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। राजनीतिक दलों की ओर से चुनावों में वोट हथियाने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने की घोषणाएं किए जाने के मुद्दे पर राष्ट्रव्यापी बहस चल रही हैं। सांसद वरुण गांधी ने शनिवार को ट्वीट किया हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि किसी भी नीति के पीछे सरकार की नीयत क्या है, यह समझे बिना उसे 'मुफ्त की रेवड़ी' कहना उचित नहीं है।

भाजपा सांसद ने ट्वीट किया कि अमीर-गरीब के बीच की खाई पाटने के लिए अगर कल्याणकारी राज्य एक वर्ग को विशेष राहत दें तो गलत नहीं, पर मंशा बस वोट 'खरीदने' की हो तो प्रश्नचिह्न लगेंगे। साथ ही सांसद ने इसी मुद्दे पर हिंदी समाचार पत्र में प्रकाशित अपने लेख ' क्या हमने गरीबी-असमानता से निपटना छोड़ दिया', की छाया प्रति भी ट्विटर पर अपलोड की है। इस लेख में सांसद ने कहा कि रेवड़ी कल्चर के मुद्दे पर मतदाताओं के साथ भी संवाद चाहिए। मतदाता नीति निर्माताओं से लंबे समय से निराश हैं कि वे जीवन में वास्तविक सुधार के बदले अल्पकालिक लाभ देने की राह पर बढ़ रहे हैं। लेख की शुरुआत में ही सांसद ने मार्च 2021 में तमिलनाडु के मदुरै दक्षिण से उम्मीदवार थुलुम ने जनता के सामने असाधारण चुनावी पेशकश की।

किश्तवाड़ इलाके से पकड़ा पाकिस्तान का जासूस मौलवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। सेना ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। किश्तवाड़ में रहकर पाकिस्तान के लिए काम कर रहे एक मौलवी को सेना ने दबोच लिया है। 22 वर्षीय मौलवी अब्दुल वाहिद पाकिस्तान के आतंकी संगठन कश्मीरी जांबाज फोर्स के लिए काम करता था। उसका काम किश्तवाड़ से सेना व प्रशासन से जुड़ी खुफिया सूचनाएं एकत्रित कर पाकिस्तान तक पहुंचाना था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मौलवी अब्दुल वाहिद किश्तवाड़ में एक मदरसे में पढ़ाता है और स्थानीय मस्जिद में मौलवी का काम करता है। उन्होंने बताया कि राजौरी सैन्य शिविर पर फिदायीन हमले के बाद से ही सैन्य खुफिया एजेंसी व जम्मू-कश्मीर पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही थी कि आतंकियों को इस तरह की जानकारी कैसे मिल रही है।

बाराबंकी में डबल डेकर बस में ट्रक ने मारी टक्कर, हादसे में चार की मौत, 14 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाराबंकी जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें चार को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बहराइच हाईवे पर शनिवार तड़के यह भीषण सड़क हादसा हुआ। हाईवे पर खड़ी डबल डेकर बस में तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 14 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। चार की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल से लखनऊ केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। 10 यात्रियों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह हादसा रामनगर थाना क्षेत्र के महंगूपुर गांव के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के डबल डेकर बस रुपईडीहा से गोवा जा रही थी। बस में 60 यात्री थे। बस जब महंगूपुर गांव के पास पहुंची तो उसका टायर पंचर हो गया। बस चालक ने हाईवे के किनारेस्टेपनी बदलने लगा, तभी हादसा हो गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।